education, both primary and upper primary, need either major or minor repairs. Only 66.07 per cent of primary schools have good classrooms.

I request the hon. Minister, through this august House, to allocate adequate funds to provide sufficient classrooms and teachers and to ensure proper utilization of funds in the Primary Education Sector.

Concern over testing of hatf missile by Pakistan

श्री जय प्रकाश अग्रवाल (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, पाकिस्तान ने सतह से सतह पर मार करने वाली कम दूरी की क्षमता की बैलिस्टिक मिसाइल हत्फ-2 अब्दाली का 3 फरवरी, 2007 को टैस्ट किया है। यह मिसाइल परमाणु हथियार ले जा सकती है। इसके कुछेक दिन पूर्व भी पाकिस्तान ने ऐसा ही टैस्ट किया था। कई सौ किलोमीटर तक मार करने वाली इस मिसाइल को पाक ने खुद ही विकसित किया है।

पाकिस्तान द्वारा मिसाइल के तकनीकी मानकों को आजमाने के लिए यह टैस्ट किया गया। पाक का यह टैस्ट कामयाब रहा। यह सभी तरह के वॉरहेड को ले जाने में सक्षम है। भारत के पड़ोसी देशों द्वारा इस तरह की मिसाइलों के टैस्ट में चिंताजनक वृद्धि हो रही है। हमारे पड़ोसी देशों द्वारा इन मिसाइलों का उपयोग किसके विरुद्ध किया जाएगा, यह बताने की आवश्यकता नहीं है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि अहमद शाह ने भारत के कई हिस्सों पर हमला किया था, लेकिन पाकिस्तान ने इस मिसाइल का नामकरण 18वीं सदी के अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के नाम पर ही किया है।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह पड़ोसी देश द्वारा खतरनाक मिसाइलों के निर्माण पर प्रतिबंध लगाने के बारे में विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित करके क्षेत्र में खतरनाक मिसाइलों के निर्माण एवं टैस्ट पर अंकुश लगाए जाने हेतु आवश्यक कदम उठाए।

Demand for helping poor Children to get costly Treatment

प्रो॰ राम देव भंडारी (बिहार): महोदय, आए दिन समाचार-पत्रों तथा टी॰वी॰ चैनलों के माध्यम से जानकारी मिलती रहती है कि गंभीर रूप से बीमार बच्चों के इलाज पर एक बड़ी राशि कई लाख रुपए, खर्च कर उसकी जान बचाई जा सकती है, मगर उनके माता-पिता के पास राशि की व्यवस्था नहीं होने की वजह से फटी-फटी आंखों से, विवशतापूर्वक, अपने बच्चों को धीरे-धीरे मृत्यु की ओर जाते हुए देखना पड़ता है। एकाध मामले में, कभी-कभार, मीडिया के माध्यम से सहायता के लिए जनता से अपील की जाती है। ऐसे मामलों में मदद मिलती भी है और बच्चे की जिंदगी भी बचाई जाती है। ऐसे हजारों बच्चों में से विरले भाग्यशाली होते हैं, बाकी चुपचाप मृत्यु